विषय कोड :
Subject Code : **101**

CLASS-IX HALF-YEARLY EXAMINATION, SEPTEMBER - 2025

कक्षा - IX अर्द्धवार्षिक परीक्षा, सितम्बर - 2025

HINDI (MT)

मातृभाषा हिन्दी

कुल प्रश्न : 80 + 6 = 86 | कुल मुद्रित पृष्ठ : 24

Total Questions : 80 + 6 = 86 | Total Printed Pages : 24

(समय : 3 घंटे) | (पूर्णांक : 100)

[Time : 3 Hours] | [Full Marks : 100]

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

1. प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें।

CLASS-IX

खण्ड – ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है । *5 × 2 = 10*

(क) तकनीक ने मानव जीवन को सुविधा सम्पन्न बनाया है । पूरी दुनिया उपभोग की चीजों से भर गई है । आज नैतिकता की स्थिति यह है कि वह अँधेरे कमरे में सिसक रही है । भोग संस्कृति ने मानव को आराम तो दिया है, पर उसके सुख-चैन को छीन लिया है । आधुनिक मानवीय सम्बंधों में जटिलता और दूरियाँ बढ़ी हैं । मानव जीवन में नैतिकता नहीं है बल्कि नैतिकता का ढोंग है । फेसबुक, वाट्सएप्प, ब्लॉग, ई-पत्रिका और सोशल मीडिया के शोर में आत्मीय संवाद विलुप्ति के कगार पर है । भोग-विलास के चलते मानवता घायल हो रही है ।

(i) किसने मानव जीवन को सुविधा संपन्न बनाया है ?

(ii) पूरी दुनिया किन चीजों से भर गई है ?

(iii) नैतिकता की स्थिति कैसी है ?

(iv) भोग संस्कृति ने मानव से क्या छीन लिया है ?

(v) मानव जीवन में भोग-विलास के चलते कौन घायल हो रहा है ?

(ख) गिरमिटिया मजदूर औपनिवेशिक देशों के वैसे श्रमिक थे जिन्हें अनुबंध के अन्तर्गत भारत से ले जाया गया था । अनुबंध के अनुसार, उन्हें पाँच वर्षों तक मालिक के साथ काम करना आवश्यक था । इसके बाद ही वे स्वदेश लौट सकते थे । इस अनुबंध व्यवस्था ने एक नई दासप्रथा को जन्म दिया । इन्हें पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बिहार, पंजाब, हरियाणा से जमैका, फिजी, त्रिनिदाद, टोबैगो, मॉरीशस आदि देशों में ले जाया गया । इन्हें मुख्यतः नगदी फसलों के उत्पादन में लगाया जाता था । 1921 में ब्रिटिश सरकार ने यह व्यवस्था बंद कर दी ।

(i) गिरमिटिया मजदूर कौन थे ?

(ii) गिरमिटिया मजदूरों को अनुबंध के अनुसार कितने वर्षों तक काम करना आवश्यक था ?

(iii) अनुबंध व्यवस्था ने किसको जन्म दिया ?

(iv) गिरमिटिया मजदूरों को मुख्यतः किन फसलों के उत्पादन में लगाया जाता था ?

(v) अनुबंध आधारित व्यवस्था को कब बंद किया गया ?

CLASS-IX

(क)

(i) किसने मानव जीवन को सुविधा संपन्न बनाया है?

तकनीक ने मानव जीवन को सुविधा संपन्न बनाया है।

(ii) पूरी दुनिया किन चीजों से भर गई है?

पूरी दुनिया **उपभोग की चीजों से** भर गई है।

(iii) नैतिकता की स्थिति कैसी है?

आज नैतिकता की स्थिति यह है कि वह **अँधेरे कमरे में सिसक रही है**।

(iv) भोग संस्कृति ने मानव से क्या छीन लिया है?

भोग संस्कृति ने मानव से **सुख-चैन** छीन लिया है।

(iv) भोग संस्कृति ने मानव से क्या छीन लिया है?

भोग संस्कृति ने मानव से **सुख-चैन** छीन लिया है।

(v) मानव जीवन में भोग-विलास के चलते कौन घायल हो रहा है?

मानव जीवन में भोग-विलास के चलते **मानवता** घायल हो रही है।

2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है। $5 \times 2 = 10$

(क) मुद्रण का आरम्भ चीन में हुआ। 105 में टस्-प्लाई-लून ने कागज का आविष्कार कर उसपर छपाई आरम्भ की। आरम्भ में मुद्रण हाथ से किया गया, परन्तु 6ठी शताब्दी में काठ की तख्ती या वुड ब्लॉक पर छपाई की जाने लगी। 1041 में पि-शेंग ने मिट्टी से अक्षरों की छाप बनाई। इन्हें एक साथ जोड़कर पंक्ति बनाई जा सकती थी। इससे छपाई में तेजी आई। 1295 में मार्कोपोलो चीन से वापस लौटते समय अपने साथ वुड ब्लॉक छपाई की तकनीक इटली लाया।

(i) मुद्रण का आरम्भ कहाँ हुआ ?

(ii) कागज का आविष्कार किसने किया ?

(iii) आरम्भ में मुद्रण कैसे किया गया ?

(iv) मिट्टी से अक्षरों की छाप किसने बनाई ?

(v) वुड ब्लॉक छपाई की तकनीक इटली में कौन लाया ?

CLASS-IX

2. गद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर

(i) मुद्रण का आरम्भ कहाँ हुआ ?

उत्तर: मुद्रण का आरम्भ **चीन** में हुआ।

(ii) कागज का आविष्कार किसने किया ?

उत्तर: कागज का आविष्कार **टस्-प्लाई-लून** ने किया।

(iii) आरम्भ में मुद्रण कैसे किया गया ?

उत्तर: आरम्भ में मुद्रण **हाथ से** किया गया, परन्तु 6ठी शताब्दी में **काठ की तख्ती या वुड ब्लॉक पर** छपाई की जाने लगी।

(iv) मिट्टी से अक्षरों की छाप किसने बनाई ?

उत्तर: मिट्टी से अक्षरों की छाप **पि-शेंग** ने बनाई।

(v) वुड ब्लॉक छपाई की तकनीक इटली में कौन लाया ?

उत्तर: वुड ब्लॉक छपाई की तकनीक इटली में **मार्कोपोलो** लाया।

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 - 250 शब्दों में निबंध लिखें । *1 × 10 = 10*

(i) वसंत ऋतु

(ii) मेरा प्रिय खेल

(iii) सच्ची मित्रता

(iv) मेरे आदर्श शिक्षक

4. सत्संगति के महत्त्व को समझाते हुए अपने छोटे भाई के पास एक पत्र लिखें । *5*

अथवा

शिक्षक एवं छात्र के बीच गर्मी की छुट्टी के सदुपयोग के बारे में होने वाले संवाद को लिखें ।

CLASS-IX

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें : $5 \times 2 = 10$

(i) विशेषण को परिभाषित करें ।

(ii) 'रोली भरी थाली' का क्या आशय है ?

(iii) महादेवी वर्मा का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(iv) 'आ रही रवि की सवारी' शीर्षक पाठ में चित्रित सवारी का वर्णन करें ।

(v) भारत की पहली बॉक्स-ऑफिस हिट फिल्म किसे कहा जाता है ?

(vi) गर्मी के दिनों में अष्टावक्र एवं उसकी माँ कहाँ सोया करते थे ?

(vii) विष्णु प्रभाकर की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखें ।

(viii) पठित पाठ के आधार पर बतायें कि बच्चे कैसी कहानियों को सुनने में उत्कंठित रहते हैं ।

(ix) धनगाईं ग्राम कहाँ पड़ता है ? बिहार की शास्त्रीय संगीत परम्परा में उस गाँव का क्या महत्त्व है ?

(x) श्रमगीत के महत्त्व को संक्षेप में लिखें ।

CLASS-IX

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखें (शब्द-सीमा लगभग 100) । 1 × 8 = 8

(i) सप्रसंग व्याख्या करें ।

"जैसे निरवस्त्र ते उपजत मृग प्रगट होइ,

तासों ते उपज रही तासों मैं समाहिंगे ।"

(ii) 'लाल पान की बेगम' शीर्षक पाठ का सारांश लिखें ।

CLASS-IX

3. (क) मेरा प्रिय खेल/खेल का महत्त्व

भूमिका : ऐसे तो संसार में अनेक खेल हैं। किन्तु, मेरा प्रिय खेल क्रिकेट है। क्रिकेट का खेल अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व का खेल है। पहले केवल अँग्रेजी स्कूल और कॉलेज के छात्र ही इसमें अभिरुचि लेते थे। परन्तु, इस समय तो छात्रों के अतिरिक्त युवा और प्रौढ़ नागरिक भी इसमें रुचि लेने लगे हैं। आज शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्र में भी इस खेल का बोलबाला है।

खेल का महत्त्व : अंग्रेज भारत में अकेले नहीं आयें, अपितु अपने साथ भाषा, अपनी संस्कृति और सभ्यता तथा खेल भी लाये। स्वामी विवेकानन्द ने अपने देश के नवयुवकों को संबोधित करते हुए कहा था कि सर्वप्रथम नवयुवकों को बलवान बनाना चाहिए, धर्म उसके पीछे आ जाएगा। उनके कथन से स्पष्ट है कि शरीर को स्वस्थ तथा हृष्ट-पुष्ट बनाने के लिए खेलना अनिवार्य है।

खेल से लाभ : अच्छा स्वास्थ्य और अच्छी समझ जीवन के दो सर्वोत्तम वरदान हैं। इन दोनों की प्राप्ति के लिए जीवन में खिलाड़ी की भावना से खेल खेलना आवश्यक है। खेलने से शरीर पुष्ट होता है। माँसपेशियाँ उभरती हैं, भूख बढ़ती है, आलस्य दूर होता है। खेल खेलने से मनुष्य को संघर्ष करने की आदत पड़ती है। उसकी जुझारू शक्ति उसे नवजीवन प्रदान करती है। खेल हमें अनुशासन, संगठन, पारस्परिक सहयोग, साहस, विश्वास आदि की शिक्षा प्रदान करता है।

खेल से हानि : विद्यार्थी में खेल के प्रति अत्यधिक आसक्ति

पठन-पाठन से मुख मोड़ लेती है। विद्यार्थी असहज और निरूद्देश्य बनकर अपना समय व्यतीत करने लगता है।

उपसंहार : अतः उपसंहार स्वरूप हम कह सकते हैं कि खेलों से मनुष्य में अनेक उदात्त भावनाओं का ज़न्म होता है, जिसमें वह जीवन संग्राम में सफलता प्राप्त करता हुआ जीवन के वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति करता है।

4.पत्र:

प्रिय छोटे भाई [भाई का नाम],

सप्रेम नमस्ते।

आशा है कि तुम वहां सकुशल होगे और तुम्हारी पढ़ाई भी ठीक चल रही होगी। आज तुम्हें एक महत्वपूर्ण विषय पर सलाह देने के लिए यह पत्र लिख रहा हूँ, जो तुम्हारे भविष्य के लिए बहुत ज़रूरी है।

बड़ा भाई होने के नाते मेरा यह कर्तव्य है कि मैं तुम्हें सत्संगति के महत्व के बारे में बताऊँ। तुम जानते ही हो कि अच्छे लोगों की संगति हमारे जीवन को सकारात्मक दिशा देती है और हमें सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है। अच्छी संगति हमें अच्छे विचार, नैतिकता और जीवन के सही सिद्धांतों को समझने में मदद करती है, जिससे हमारा व्यक्तित्व निखरता है और हम समाज में एक आदर्श व्यक्ति के रूप में पहचाने जाते हैं।

5.

(i) विशेषण को परिभाषित करें।

जिस शब्द से संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट होती है उसे *विशेषण* कहते हैं।

उदाहरण: अच्छा लड़का, लाल फूल, मीठा फल।

(ii) 'रोली भरी थाली' का क्या आशय है ?

'रोली भरी थाली' से तात्पर्य है – पूजा-अर्चना हेतु सजी हुई थाली जिसमें रोली, चावल, दीपक, फूल आदि रखे जाते हैं। यह धार्मिक आस्था और शुभ संस्कारों का प्रतीक है।

(iii) महादेवी वर्मा का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

महादेवी वर्मा का जन्म सन् **1907 ई. में उत्तर प्रदेश के फर्रुख़ाबाद जिले** में हुआ था।

(v) भारत की पहली बॉक्स ऑफिस हिट फिल्म किसे कहा जाता है ?

भारत की पहली बॉक्स ऑफिस हिट फिल्म **'आलम आरा' (1931 ई.)** मानी जाती है। यह भारत की पहली बोलती फिल्म भी थी।

(vii) विष्णु प्रभाकर की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखें।

विष्णु प्रभाकर की प्रमुख रचनाएँ हैं –

1. **अर्धनारीश्वर** (उपन्यास)
2. **पथ के साथी** (कहानी-संग्रह)

6.ii

इस कहानी के माध्यम से लेखक ने यह बताने की कोशिश की है कि एक स्त्री भी अपने जीवन को अपने इच्छा और अपनी शर्तों पर जीना चाहती है। स्त्री भी आत्मसम्मान चाहती है। ऐसी कोई भी कुप्रथा या कुरीति स्त्री को स्वीकार्य नहीं है जो उसके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाए या उसे दोयम दर्जे का करार दे।